711

HD-02

December - Examination 2017

B.A. Pt. I Examination

हिन्दी गद्य भाग–II (कथा साहित्य)

Paper - HD-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) 'लवंगलता' उपन्यास के रचनाकार कौन हैं?

(ii) हिन्दी गद्य की किन्हीं दो विधाओं के नाम लिखिए।

(iii) यशपाल की कहानियों का मूल उद्देश्य क्या होता है?

(iv) कथाकार राजेन्द्र यादव द्वारा सम्पादित पत्रिका कौनसी है?

(v) 'मुझे चाँद चाहिए' उपन्यास के रचनाकार कौन हैं?

(vi) नई कहानी की संवेदना पुरानी कहानी से किस प्रकार भिन्न है?

(vii) कहानी में संवाद (कथोपकथन) क्या–क्या कार्य करते हैं?

(viii) आंचलिक उपन्यास किसे कहते हैं?

(ix) 'पूस की रात' कहानी का नायक कौन है?

(x) 'पुरस्कार' कहानी में मधुलिका ने पुरस्कार को अस्वीकार क्यों कर दिया?

खण्ड – ब **$4 \times 10 = 40$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) प्रेमचन्द की कहानी कला की विशेषताएँ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3) निम्न गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''जब किसी तरह रहा न गया, उसने जबरा को धीरे से उठाया और उसके सिर को थपथपा कर उसे अपनी गोद में सुला दिया। कुत्ते की देह से जाने कैसे दुर्गन्ध आ रही थी, पर वह उसे अपनी गोद में चिपटाए हुए ऐसे सुख का अनुभव कर रहा था, जो इधर महीनों से उसे न मिला था। जबरा शायद समझ रहा था कि स्वर्ग यहीं हो और हल्कू की पवित्र आत्मा में तो उस कुत्ते के प्रति घृणा की गंध तक न थी। अपने किसी अभिन्न मित्र या भाई को भी वह इतनी ही तत्परता से गले लगाता। वह अपनी दीनता से आहत न था, जिसने आज उसे इस दशा में पहुँचा दिया। नहीं, इस अनोखी मैत्री ने जैसे उसकी आत्मा के सब द्वार खोल दिए थे और उसका एक–एक अणु प्रकाश से चमक रहा था।''

4) 'उसने कहा था' कहानी के प्रमुख पात्र लहना सिंह का चरित्र–चित्रण कीजिए।

5) 'पत्नी' कहानी के शीर्षक की उपयुक्तता पर प्रकाश डालिए।

6) 'पुरस्कार' कहानी में प्रेम और कर्त्तव्य का द्वन्द्व चित्रित है।'' इस कथन को स्पष्ट करते हुए कहानी के परिवेश (वातावरण) पर प्रकाश डालिए।

7) 'परमात्मा का कुत्ता' कहानी का प्रमुख पात्र कौन है? इस कहानी में विद्यमान व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

8) निम्न गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –
''उन्होंने अनुभव किया कि – वह पत्नी व बच्चों के लिए केवल धनोपार्जन के निमित्त मात्र है। जिस व्यक्ति के अस्तित्व से पत्नी माँग में सिंदूर डालने की अधिकारी है, समाज में उसकी प्रतिष्ठा है, उसके सामने वह दो वक्त भोजन की थाली रख देने से सारे कर्त्तव्यों से छुट्टी पा जाती है। वह घी और चीनी के डिब्बों में इतनी रमी हुई है कि अब वही उनकी सम्पूर्ण दुनिया बन गई है।''

9) ''अपने कुएँ की बाड़ के पास आते ही जब माँ की गोद में ऊँघता बच्चा रोया तो उसका रिरियाना सुनकर बाप की आँखों में आँसू छलक आए। वह रुँधे गले से बोला – तेरा दिल बहुत मजबूत है और मैं बेहद डरपोक हूँ। अब तो वे दोनों सूखकर कंकाल हो गए होंगे। पहले तू झोपड़ी जाकर उन्हें बाहर फेंकना। मुझसे नहीं फेंके जाएँगे। बस इतनी दया और कर दे तो तेरा अहसान कभी नहीं भूलूँगा।''

खण्ड – स **2 × 20 = 40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए। शब्द सीमा 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) 'निर्मला' उपन्यास में विद्यमान पारिवारिक–सामाजिक समस्याओं का विवेचन कीजिए।

11) 'चीफ की दावत' कहानी, की कहानी–तत्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए।

12) उपन्यास के स्वरूप, भेद और तत्वों पर एक लेख लिखिए।

13) टिप्पणी कीजिए।

(क) 'महाभोज' उपन्यास की कथा का वैशिष्ट्य

(ख) 'महाभोज' उपन्यास की नाट्यशैली

(ग) प्रेमचन्द युगीन हिन्दी उपन्यास

(घ) नयी कहानी